''संसार के अत्यन्त प्रभावशाली मरियानिष्ट आध्यात्मिकता में जीवन जीना''

Incheon में अयाजक सदस्यों के व्यक्तियों और समुदाय, मरिया की तरह जीवन जीने का प्रयास करते हैं। जब हम बाईबल और liturgical calendar में जीवन के प्रति मरिया के दृष्टिकोण पर ध्यान–मनन कर रहे थे तब हमें एक विशेष लक्ष्य का एहसास हुआ वह था ''संसार के अत्यन्त प्रभावशाली मरियानिष्ट आध्यात्मिकता में जीवन जीना''। साथ ही, हम जूम(Zoom) का उपयोग करते हुए एक ऑनलाइन सामुदायिक बैठक के माध्यम से 'गेंहूँ के दानें (पिता Quentin Hakenewerth द्वारा)' नामक पुस्तक का अध्ययन करके मरियनवादी आध्यामित्कता को एक–दूसरों को बाँटते हैं। प्रत्येक समुदाय के सदस्य आध्यात्मिक रूप से सुसमाचार और संस्थापकों के शब्दों को सोशल मिडिया के माध्यम से एक–दूसरे को बताते हैं।

हम बहन Adele's के पत्रों को विषय अनुसार वर्गीकरण करने की योजना बना रहे हैं ताकि हम गहराई से संस्थापक के आध्यात्मिकता को समझ सके। हम जल्द से जल्द इस योजना को पूरा करना चाहते हैं। हालांकि इसमें बहुत समय और व्यक्तियों के जोश और प्रयास की आवश्यकता है, पर हमें लगता है कि यह आवश्यक है क्योंकि यह निस्संदेह सदस्यों को Adele's के पत्रों के माध्यम से बहन Adele's की आध्यात्मिकता को अच्छी तरह से समझने और उसे जीवन में अपनाने में मदद करेगा।

कोविद–19 की वजह से, गाँव के अस्पतालों में प्रार्थना सेवाओं और नर्सिंग होम में संगीत सभाओं को क्वारेन्टाइंन(quarantine) नियमों के कारण बन्द कर दिया गया है। हालाँकि, हमारे सदस्य गाँव में रहनेवाले समुदायों के बच्चों से उनके पढ़ाई के बाद उनके घरों एवं अप्रवासियों परिवारों में होनेवाले विवाह का दौरा कर रहे हैं ताकि बच्चों को सीखने में मदद मिल सके और अप्रवासी महिलाओं के विवाह के लिए हम उन्हें परामर्श दे सके। साथ ही, हम शहरी तथा ग्रामीण मिल–जुलकर, ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादित कृषि उत्पादों को सीधे सदस्यों और शहरवासियों को बेचते हैं।

कोविद–19 हमारे दैनिक जीवन में कई बदलाव लेकर आया है।
हम लोगों से सीधे मिलने के लिए डरते हैं, और हमें अनिश्चित भविष्य की ओर ढ़केल दिया गया है। फिर भी, हम चाहते हैं एवं आशा करते हैं कि ईश्वर हमें वह दिन प्रदान करें, ताकि हम सोच सके कि किस प्रकार हम अपने गरीब और पीड़ित पड़ोसियों के लिए एक आशा बन सकते हैं या कैसे खुद को समर्पण कर सकते हैं जो उनके लिए वचनबद्धता के साथ उज्ज्वल मुस्कान ला सके।
''क्या आप महसूस करते हैं कि भला ईश्वर अपने अद्‌भुत ज्ञान के द्वारा जीवन के कष्टों और सुख–सुविधाओं को एक साथ जोड़ता है।'' (बहन अडेल का पत्र संख्या 199.4,1813)

<u>**Incheon** के अयाजक द्वारा समाचार</u>

कोविद–19 महामारी के कारण क्वारंटाइन प्रयोजनों के चलते प्लास्टिक के डब्बे का उपयोग तेजी से बढ़ा है। Incheon के अयाजक वर्ग ने 1 सितंबर को पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने सदस्यों को 'प्लास्टिक को नही बोलने' के लिए प्रतिज्ञा लिया है एवं इस अभियान को प्रोत्साहित करना शुरू किया, जिसे वर्तमान में एक पर्यावरण संरक्षण समूह द्वारा प्रचार–प्रसार किया गया। यह एक राष्ट्रव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान है। एक समुदाय और व्यक्ति के रूप में, Incheon के अयाजक वर्ग ने दैनिक जीवन में व्यवहार में आनेवाली प्लास्टिक डब्बों को कम करने का संकल्प लिया और सबसे पहले दैनिक उपयोग वाली प्लास्टिक पानी की बोतलों और कॉफी कप के उपयोग को बंद करने का निर्णय लिया।

हमने 10 अक्टूबर को हमारी Our Lady of the Year, Our Lady of Subukia, Kenya के साथ मरियानिष्ट विश्व प्रार्थना दिवस का आयोजन किया गया। क्वारंटाइन नियमों के कारण सभी सदस्य शामिल नही हो पाए, लेकिन सभी समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। Min-young (Michael) Ki, जिन्हें 9 अक्टूबर को पुरोहिताई सेवा देने के लिए नियुक्त किया गया था, उन्होंनें जनसमूह की अध्यक्षता की। हमनें प्रार्थना की कि वह प्रारंभिक संकल्प द्वारा अपना शेष जीवन व्यतीत करें।

10 अक्टूबर को मरियानिष्ट विश्व प्रार्थना दिवस के बाद ‘प्लास्टिक को नही बोलने’ की प्रतिज्ञा ली।